मेरी अंखिया च शेरावाली माँ वस गई

मेरी अंखिया च शेरावाली माँ वस गई,
नैन खोला किंवे, नैन खोला किंवे
मेरे दिल विच माँ दी तस्वीर वस गई,
भेद खोला किंवे, भेद खोला किंवे
मेरी अंखिया च शेरावाली.....

लोकी पुछदे तू मुंहो क्यों नहीं बोलदी,
तक्क दुनिया नु अक्खां क्यों नहीं खोलदी....-2
ए सुन के मै अख जरा होर कस लई।
नैन खोला किंवे, नैन खोला किंवे
मेरी अंखिया च शेरावाली.....

मै ता डरदी सुरमा हां वी ना पांदी,
एहो गल मैंनु दिन रात मैनु खांदी.....-2
किते मैया नु सुरमे दी सलाई लग गई।
नैन खोला किंवे, नैन खोला किंवे
मेरी अंखिया च शेरावाली.....

मेरे अपने बेगाने ताने मारदे,
ताने मार लैन मेरा की बिगाड़दे....-2
जान मेरी ता जा नी माँ दे नाल लग गई।
नैन खोला किंवे, नैन खोला किंवे
मेरी अंखिया च शेरावाली.....

मैं हां चंचल गुलाम उदे दर दी,
मैं हां नौकरानी मैया जी दे दर दी....-2
मेरे नैना विच मैया जी दी ज्योत जग गई।
नैन खोला किंवे, नैन खोला किंवे
मेरी अंखिया च शेरावाली माँ वस गई,
नैन खोला किंवे, नैन खोला किंवे
मेरे दिल विच ओदी तस्वीर वस गई,
भेद खोला किंवे, भेद खोला किंवे.....

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23245/title/meri-akhiyan-ch-sherawali-maa-vas-gayi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |